18/1 Roll No. ……..

MAHL–202

नाटक एवं कथेतर साहित्य

M. A. Hindi (MAHL–12/16/17)

Second Year, Examination, 2017

Time : 3 Hours **Max. Marks : 80**

नोट : यह प्रश्न पत्र अस्सी (80) अंकों का है जो तीन (03) खण्डों 'क', 'ख' तथा 'ग' में विभाजित है। शिक्षार्थियों को इन खण्डों में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

खण्ड–क

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में चार (04) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए उन्नीस (19) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल दो (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. नाटक का स्वरूप निर्धारित करते हुए, उसके विभिन्न तत्वों पर प्रकाश डालिए।
2. मोहन राकेश का जीवन परिचय देते हुए, उनकी नाट्यकला पर एक निबन्ध लिखिए।

3. निबन्ध का अर्थ और प्रकार बताते हुए, उसका तात्त्विक विवेचन कीजिए।
4. महादेवी वर्मा का परिचय देते हुए, उनकी गद्य साहित्य की रचना शैली पर प्रकाश डालिए।

खण्ड–ख

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए आठ (08) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल चार (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. 'निराला' के व्यक्तित्व पर प्रकाश डालिए।
2. यात्रावृत्तान्त के तत्वों का संक्षिप्त परिचय दीजिए।
3. आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी की रचनाओं का संक्षिप्त परिचय दीजिए।
4. आदर्श आलोचक की प्रमुख विशेषताएँ लिखिए।
5. डॉ. पीताम्बर दत्त बड़थवाल का जीवन परिचय एवं साहित्यिक परिचय दीजिए।
6. 'ध्रुवस्वामिनी' नाटक के प्रमुख पात्रों का संक्षिप्त परिचय दीजिए।
7. स्मारक साहित्य का अर्थ, परिभाषा एवं विधाओं के नाम लिखिए।
8. हिन्दी साहित्य में आचार्य रामचन्द्र शुक्ल के महत्व को प्रतिपादित कीजिए।

खण्ड–ग

(वस्तुनिष्ठ प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ग' में दस (10) वस्तुनिष्ठ प्रश्न दिये गये हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए एक (01) अंक निर्धारित है। इस खण्ड के सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. "यदि गद्य लेखकों की कसौटी है तो निबंध गद्य की कसौटी है।" यह कथन किसका है ?
2. 'वैष्णव की फिसलन' के रचनाकार हरिशंकर परसाई हैं।
   (सत्य / असत्य)
3. 'अंधेर नगरी' नाटक का रचनाकाल 1881 है। (सत्य / असत्य)
4. 'निराला' पुस्तक के लेखक रामविलास शर्मा हैं। (सत्य / असत्य)
5. 'कल्पलता' हजारी प्रसाद द्विवेदी का उपन्यास है।
   (सत्य / असत्य)

रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए :

6. 'कामायनी' का प्रकाशन वर्ष ..... है।
7. 'अंधेर नगरी' के रचनाकार का नाम ..... है।
8. साहित्य के दो स्वरूप ..... हैं।
9. 'राखी की लाज' के रनाकार का नाम ..... है।
10. बाबू गोपालचन्द्र द्वारा लिखित नाटक ..... को प्रथम नाटक माना जाता है।